

---

# मनसा सेवा - 108

---

अव्यक्त बापदादा :- (15.11.2011)

» \_ » बापदादा बच्चों को राय देते हैं, आज्ञा भी करते हैं, कि सेवा करते हो लेकिन जिनकी भी सेवा करते हो, एक ही समय पर तीन रूपों और तीन रीति से सेवा करो। **तीन रूप नॉलेजफुल, पावरफुल और लवफुल, इन तीनों रूपों से सेवा करो और तीनों रीति से सेवा करो, वह तीन रीति है मन्सा-वाचा-कर्मणा एक ही समय, सिर्फ वाणी से सेवा नहीं लेकिन वाणी के साथ मन्सा सेवा भी साथ-साथ हो। पावरफुल माइन्ड हो।**

» \_ » तो अभी आवश्यकता एक ही समय मन्सा पावरफुल हो, जिससे आत्माओं की भी मन्सा परिवर्तन हो जाए। वाणी द्वारा सारी नॉलेज स्पष्ट हो जाए और कर्मणा द्वारा, कर्म द्वारा सेवा से वह आत्मायें अनुभव करें कि सचमुच हम अपने परिवार में पहुंच गये हैं। परिवार की फीलिंग आने से नजदीक के साथी बन जायें। तो **बापदादा अभी एक ही समय तीन रूप की सेवा इकट्ठी चाहते हैं।**

---

»» तीन रूप और तीन रीति से सेवा करो

» \_ » पावरफुल

» \_ » लवफुल

» \_ » नोलेजफुल

→ मनसा

→ वाचा

→ कर्मणा

---

»» पावरफुल माइंड क्या होता है?

» \_ » कम संकल्प हो...

» \_ » दृढ़ता हो...

» \_ » व्यर्थ न हो...

» \_ » हजारों के बीच शांति अनुभव हो...

» \_ » एकाग्र मन हो...

» \_ » जो किसी भी कारण से हलचल में न आये...

» \_ » बार बार डिस्टर्ब न होना...

→ अव्यक्त बापदादा ने कहा है, योग की धुप से आंसुओं की टंकी को सुखा दो...

---

»» पावरफुल माइंड की निशानियाँ

» \_ » अचल अडोल

→ परिस्थिति उपर नीचे होंगी ही...

- ये ड्रामा बाप को पसंद है...
  - ▶ इसमें क्या क्यों नहीं करना है...
  - ▶ ये जो हो रहा है, ये डिवाइन ड्रामा है...
  - ▶ खेल है... खले को एन्जॉय किया जाता है...
  - ▶ निंदा स्तुति, ग्लानी सब होगा...
  - ▶ स्थितप्रज्ञ, अचल ये योगी के लक्षण हैं...

» \_ » बैलेंस

→ जब तक बलेंस नहीं तब तक पेंडुलम दायें बाएं होता रहेगा...

- कभी अति खुशी कभी अति गम
- अति ब्रह्मचारी अति विलासिता
- मधुबन खींचता है फिर संसार भी याद आता है थोड़े दिन बाद
  - ▶ ऐसे मन डोलता रहता है...
  - ▶ हर एक को अपना बैलेंस खुद ढूँढना है...

» \_ » परिपक्व मन

→ जीवन के हर अनुभव से सीखना है...

- परिस्थिति से सीखना है... नहीं तो वही रेस्पॉंस होता रहेगा...
  - ▶ ऐसे नहीं रोना चालू हो जाए... कंधा मिला, रोना चालू...
  - ▶ Spiritual maturity हो...
  - ▶ बचकाना व्यवहार न हो...
- अति नींद अनिद्रा दोनों ही डिप्रेशन की निशानी है...

» \_ » दृढ़ता

→ ठान लिया फिर चाहे कुछ भी हो जाये...

- करना ही है, ये दृढ़ संकल्प हो...
- दिन रात उसी में रहना, जैसे और कुछ नहीं है...
  - ▶ कैसी भी परिस्थिति हो, दृढ़ता हो...
  - ▶ महान कार्य के लिए जबरदस्त दृढ़ता चाहिए...

» \_ » साहस, हिम्मत

→ इस मार्ग पर चलने के लिए हिम्मत चाहिए...

- क्योंकि बार बार गिरना है...
- और फिर उठना है...
- हिम्मत नहीं हारना है...
  - ▶ पराजय दुखी न करे...

- ▶ हमें गिरा न दे...
- ▶ हमारा साहस खत्म न हो जाए...
- ▶ बार बार गिरके फिर चढ़ना है...
- ▶ थोड़ी सी सेवा करके छोड़ नहीं देना है...
- ▶ एक ही कार्य पूरी लगन से और लम्बा समय तक करते रहना...
- ▶ शक्ति भरने के लिए एक ही कार्य लम्बे समय करते रहना है...

#### » \_ » अथक

→ पावरफुल माइंड कभी थकेगा नहीं...

- सेवा नहीं थकाती, व्यर्थ संकल्प मनुष्य को थकाते हैं...

#### » \_ » अभय, निर्भयता

→ मृत्यु का भय

→ बीमारी का भय

- आत्मा परमात्म का ज्ञान सुनाने वालों में बीमारी और मृत्यु का भय क्यों...

▶ हर एक को जान अहै यहाँ से...

▶ अब ममत्व हटाना है इस दुनिया से...

▶ सब बाप के हवाले कर दो...

#### » \_ » दिटेचमेंट

→ सेवा हुई और देताच हो जाना...

- सब कुछ करना फिर किसी से कोई लेना देना नहीं...

▶ जैसे बाबा याद प्यार देते, मिलन मनाते

▶ पर जब जाने का टाइम आता, तुरंत चला जाता है...

---

➤➤ मन को समर्थ और शक्तिशाली बनाना है...

➤➤ जरा सी बात पर मन हिलता डुलता न रहे...

---